जाग उठा हमारा
आजाद हिन्दुस्तान
RNI No.-MPHIN/2001/14172
AZAD हिन्दुस्तान LIVE

वर्ष-23 अंक- 13 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 28 मार्च से 03 अप्रेल 2023 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

इन्दौर- सनावद के बीच नेशनल हाईवे निर्माण कार्य में आई तेजी

इन्दौर से सनावद के बीच नेशनल हाईवे के निर्माण कार्य में आई तेजी।

घाट सेक्शन में सुरंग निर्माण एवं नर्मदा नदी पर पुल निर्माण का कार्य प्रारंभ

भेरूघाट एवं चौरल घाट पर सुरंग निर्माण से खंडवा की दूरी होगी 10 किलामीटर कम

बड़वाह -नवरत्नमल जैन

कीलर हाईवे के नाम से कुख्यात हो चुके इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर फोरलेन का निर्माण कार्य अब गति पकडने लगा है जिससे क्षेत्र वासियों ने राहत की सांसद ली है । इन्दौर से सनावद के बीच नेशल हाईवे निर्माण में सबसे बडी बाधा घाट सेक्शन था । जहां पर वनविभाग की एनओसी नही मिलने के कारण हाईवे निर्माण का कार्य बाधित हो रहा था लेकिन अब एनएचएआई द्वारा भेरूघाट एवं चौरल घाट के घाट सेक्शन की डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया गया है अब इंदौर-इच्छापुर हाई-वे के इस सबसे अहम हिस्से को मंजूरी मिल जाने के साथ निर्माण की कवायद भी शुरू कर दी गई है। वही दूसरी ओर बड़वाह के निकट कटघडा ग्राम में नर्मदा नदी पर डेढ किलोमीटर लम्बे 6 लेन नर्मदापुल निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है अब तक 22 पिल्लरों का निर्माण पूरा हो चुका है । संभावना है कि 2025 तक क्षेत्र वासियों के लिये इन्दौर इच्छापुर फोरलेन निर्माण का सपना पूर्ण रूपेण साकार हो जायेगा और इस मार्ग पर लगे कीलर हाईवे का टेग हटकर केन्द्र सरकार की एक बडी सौगात निमाड क्षेत्र को मिल सकेगी ।

भेरूघाट एवं चौरल में बनेगी फोरलेन भूमिगत बडी सुरंग। सिमरोल के निकट से सुरंग निर्माण का कार्य प्रारंभ ...

प्रस्तावित घाट सेक्शन डिजाईन के अनुसार तेजाजी-नगर से बलवाड़ा के बीच दो घाट सेक्शन बनेंगे। इनमें पहला सेक्शन भेरू घाट का होगा, दूसरा चोरल घाट का होगा। इसकी लंबाई 32.4 किमी होगी। इस घाट सेक्शन में पेड़ों के नुकसान को बचाने करीब 700 मीटर का हिस्सा टनल के रूप में बनाया जा रहा है।

भेरूघाट शुरू होने के ठीक पहले पहाड़ काटकर फोरलेन की दो सुरंग बनाने का काम तेज गति से चल रहा है। इंदौर से खंडवा की ओर वाली सुरंग की कुल लंबाई 780 मीटर है। इसमें से 170 मीटर तक खुदाई हो चुकी है। सुरंग का काम पांच महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

इस तरह इंदौर-खंडवा के बीच लंबे टनल के बीच सफर का आनंद मिलेगा. इसकी कुल लागत 1236 करोड़ रुपए होगी। सिमरोल बायपास बनेगा और बाईग्राम के शनि मंदिर के पीछे से टनल के सहारे वाहन निकलेंगे। इस रोड के बनने से इंदौर से खंडवा के बीच आवागमन तेजी से होगा। इच्छापुर तक बन जाने से बुरहानपुर और दक्षिणी राज्यों, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश व अन्य के लिए रास्ता आसान होगा। पिछले दिनों इंदौर आए केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस परियोजना का भी शिलान्यास किया।

एनएचएआई द्वारा बनाई जा रही ये सुरंग आधुनिक इंजीनियरिंग का नायाब उदाहरण है -शंकर ललवाणी

पिछले दिनों इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने सिमरोल के पास बन रही टनल का दौरा किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस टनल के बनने के बाद इंदौर और खंडवा के बीच की दूरी करीब 10 किलोमीटर कम हो जाएगी।

सांसद शंकर लालवानी ने सिमरोल के पास टनल के काम का जायजा लेने पहुंचे और सुरंग के अंदर जाकर टेक्नोलॉजी को समझा, एनएचएआई की कार्यवाही के बारे में जाना और सुरंग के काम को तेजी से कैसे पूरा किया जाए इस पर चर्चा की। साथ ही, शंकर लालवानी ने प्रोजेक्ट में आ रही दिक्कतों के बारे में भी एनएचएआई के अधिकारियों से बात की। सांसद शंकर लालवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राजमार्ग परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इंदौर-खंडवा सड़क की मांग लंबे समय से पेंडिंग की और माननीय नितिन गडकरी जी से इस संदर्भ में 12 दिसंबर 2019 में पहली बार मुलाकात हुई थी। उसके बाद कई बार इस सड़क को लेकर मा.गडकरी जी से मुलाकात हुई।

माननीय गडकरी जी ने इंदौर में इस पर घोषणा की थी और मुझै संतोष है कि अब इंदौर-खंडवा रोड का काम बेहद तेजी से चल रहा है। मैंने सिमरोल के पास बन रही अंडरग्राउंड टनल का दौरा कर अधिकारियों से बात कर इस प्रोजेक्ट को विस्तृत रूप से समझा है। इस सुरंग के बनने के बाद खंडवा और इंदौर की दूरी कम होगी लोगों को यातायात में सुविधा होगी तथा हादसों एवं सड़क जाम से भी मुक्ति मिलेगी।

सांसद शंकर लालवानी के मुताबिक इस प्रोजेक्ट में पर्यावरण का ध्यान रखते हुए योजना बनाना एक बड़ी चुनौती थी। लालवानी ने घाट सेक्शन में कम से कम पेड़ काटना पड़े ऐसी योजना बनाने के लि अधिकारियों से कहा था और इस टनल के बनने से करीब 12,000 पेड़ कटने से बच जाएंगे।

एनएचएआई द्वारा बनाई जा रही ये सुरंग आधुनिक इंजीनियरिंग का नायाब उदाहरण है जहां पर्यावरण एवं इकोसिस्टम को बचाकर विकास की योजना बनाई गई है। इस सुरंग से घाट सेक्शन में यात्रा करना अधिक सुरक्षित हो जाएगा। सांसद लालवानी ने अधिकारियों को इस सुरंग में मालवा और निमाड़ की संस्कृति की झलक दिखे ऐसा बनाने के लिए कहा है।

बड़वाह के कटघडा में नर्मदा नदी पर बन रहा प्रदेश का दूसरा सबसे लंबा ब्रिज

बड़वाह - 216 किमी के इंदौर -खंडवा-एदलाबाद नेशनल हाईवे का काम पांच चरणों में हो रहा है। बलवाडा से धनगांव के बीच बड़वाह में नर्मदा नदी पर 1275 मीटर लंबा हाईलेवल ब्रिज डेढ साल में बनकर तैयार होगा। बडवाह के कटघड़ा के पास से नर्मदा नदी पर बन रहा ब्रिज का बायपास सनावद शहर से तीन किमी दूर से निकलेगा। ब्रिज बनने से बडवाह और सनवाद के बीच बार-बार लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। फिलहाल किनारों के साथ ही नदी के बीच में पिलर बनाने का काम चल रहा है। इसके साथ ही स्पान भी तैयार किए जा रहे हैं। 146 करोड रुपए की लागत वाले इस उच्च स्तरीय ब्रिज के 60 पिलर पर 60 स्पॉन हैं।

ब्रिज के पिलर की नदी में 28-29 मीटर और किनारों पर 12 से 15 मीटर जमीन से ऊंचाई होगी। ब्रिज के अप और डाउन ट्रैक पर सड़क की चौडाई 16-16 यानी कुल 32 मीटर होगी। अप और डाउन ट्रैक पर ब्रिज के 15-15 पिलर नर्मदा नदी के बीच में आ रहे हैं, जबकि 15-15 पिलर नदी के किनारों पर बनेंगे। अभी तक दोनों ही ओर लगभग 22-22 पिलर बन चुके हैं।

एनएचएआई ने ब्रिज निर्माण के लिए दो साल का वक्त तय किया था। इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे पर नर्मदा पर बनने वाला यह ब्रिज प्रदेश का संभवतः दूसरा सबसे लंबा ब्रिज है। इसकी लंबाई 1275 मीटर है। प्रदेश का सबसे लंबा ब्रिज इंदौर-झांसी नेशनल हाईवे पर अमोला के पास बना ब्रिज है। इसकी लंबाई 1334 मीटर है।

जल स्तर कम होने के बाद नदी के अंदर लगेंगे पिलर

पुल के लिए तैयार हो रहे पिलरों का काम मुख्यतः अभी कटघड़ा में नदी के इस ओर ही हुआ है। इसके बाद पिलरों का निर्माण अब नदी के अंदर भी होना है लेकिन पिछले दिनों हुई तेज बारिश के बाद अभी भी नर्मदा का जल स्तर काफी बढ़ा हुआ हैं। जानकारी के अनुसार नदी के अंदर पानी का स्तर कम होते ही नर्मदा नदी के बीच पिलरों का निर्माण कार्य किया जाएगा। पिछले दिनों नर्मदा के अंदर पिलर का काम शुरू भी कर दिया गया था लेकिन बहाव तेज होने के चलते उसे फिर रोक दिया गया।

सांसद ने कहा- मामले हल कर दिखाए तेजी

पुल के साथ फोरलेन का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। बीते दिनों दौरे पर शहर में आए सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने भी रोड निर्माण का काम देख रहे कंपनी के जिम्मेदारों व अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद ठेकेदार ने बताया था कुछ जगहों पर परिसंपत्तियों व विवादित मामलों के चलते काम रुका हुआ है।

सांसद ने अधिकारियों को जल्द मामलों के निराकरण कर काम में तेजी लाने को लेकर निर्देशित किया था।

बड़वाह का रेलवे रिजर्वेशन काउंटर नहीं होगा बंद-नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता के प्रयास लाये रंग

ओंकारेश्वर रोड (मोरटक्का) से महू तक मीटरगेज ट्रेन का संचालन एक फरवरी 2023 से रेलवे ने बंद किया है। ब्राडगेज परिवर्तन हेतु बंद किए इस रूट के पुनः संचालन में लम्बा समय लगेगा, लेकिन रेल आवागमन को बंद करने के बाद पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल द्वारा बड़वाह रेलवे स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर को भी बंद करने की संभावना जताई जा रही थी।

काउंटर बंद करने की आशंका के बीच नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता द्वारा बडवाह नगर एवं आसपास क्षेत्र की जनता एवं सीआईएसएफ के जवानों के लिए अतिमहत्वपूर्ण बड़वाह रेलवे स्टेशन पर स्थित रिजर्वेशन काउंटर को यथावत चालू रखने हेतु माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को 16 मार्च को पत्र लिखा था।

इसके क्रम में रेलमंत्री जी द्वारा रेल प्रबंधक, रतलाम रेल मंडल को मेल के माध्यम से रिजर्वेशन काउंटर को यथावत चालू रखने के लिए निर्देशित किया। रेल प्रबंधक रतलाम ने बड़वाह रेलवे रिजर्वेशन काउंटर को यथावत चालू रखने का निर्णय लिया है। इसके सम्बन्ध में 24 मार्च को सूचना ई-मेल से नगर पालिका अध्यक्ष को प्राप्त हुई है।

नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता नगर एवं नगरवासियों की समस्याओं के निकराकरण के लिये सदैव अग्रसर रहते आये है । चाहे वो फोरलेन निर्माण कर रही कम्पनी द्वारा धटिया डामरीकरण का मामला हो या फिर नगर के विकास के लिये नई नई योजनाओं को लाने का प्रयास । उनकी सक्रीयता नगरवासियों के लिये वरदान साबित हो रही है ।

50 प्रतिशत बुकिंग अकेले सीआईएसएफ से

बड़वाह के रेलवे रिजर्वेशन काउंटर पर प्रतिदिन जितनी भी बुकिंग होती है, उसमें करीब 50 प्रतिशत बुकिंग अकेले सीआईएसएफ के जवान अधिकारियों, कर्मचारियों की रहती है। कभी-कभी तो शत प्रतिशत बुकिंग भी सीआईएसएफ से ही आती है।क्योंकि इसमें विभिन्न प्रांतों के जवान प्रशिक्षण प्राप्त करने यहां आते हैं। इसके साथ ही स्थानीय रिजर्व बल के स्थाई अधिकारी घरों एवं ड्यूटी पर आने जाने के लिए रेल पर ही निर्भर रहते हैं। कभी-कभी अचानक अन्यत्र ड्यूटी का आदेश आने पर उन्हें तत्काल टिकट बुक कराना पड़ता है।